असम में मुसीबतों की बाढ़

PTI

असम में 1.56 लाख लोगों ने राहत शिविरों में शरण ली है। इस साल अब तक 70 की गई जान

■पीटीआई, गुवाहाटी

असम में बाढ़ की स्थिति रविवार को भी बेहद गंभीर बनी रही। राज्य के कई जिलों में कुछ और इलाके इसकी चपेट में आ गए। शनिवार रातभर हुई मूसलाधार बारिश के कारण गुवाहाटी के कई क्षेत्र पानी में डूब गए।

असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के मुताबिक, राज्य में पिछले छह दिनों से बाढ़ आई हुई है और भूस्खलन हो रहा है। इससे बड़े स्तर पर तबाही जारी है। पिछले 24 घंटे में 30 जिलों के 118 राजस्व क्षेत्रों और 4,462 गांवों में बाढ़ की खबर है। लगभग 37 लाख लोग प्रभावित हैं और उनमें से 1.56 लाख ने राज्यभर के अलग-अलग 514 राहत शिविरों में शरण ली है। एएसडीएमए ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित और राहत शिविरों में आश्रय नहीं लेने वाले लोगों को राहत सामग्री भी वितरित की गई है। कम से कम 302 राहत वितरण केंद्र अस्थायी रूप से खोले गए। नैशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एनडीआरएफ) और स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एसडीआरएफ) बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को निकालने में जिला प्रशासन की मदद कर रहा है। विभिन्न एजेंसियों ने अब तक 20,983 लोगों को सुरक्षित निकाला है। गुवाहाटी में शनिवार रात से हो रही मूसलाधार बारिश की वजह से शहर के कई इलाकों में घुटनों तक या इससे ज्यादा पानी भर गया है। भरालू नदी पर स्थित सभी पानी के गेट को बंद कर दिया गया है। ऊपरी असम में भारी बारिश और ब्रह्मपुत्र से अतिरिक्त पानी बहने के कारण गुवाहाटी में नदी का जल स्तर काफी बढ़ गया है। शहर में ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को आने से रोकने के लिए प्रशासन ने भरालू के सभी गेट को बंद कर दिया है।

30 जिलों के 4,462 गांव बाढ़ से हैं प्रभावित। 37 लाख लोगों पर असर

त्रिपुरा में 12 हजार लोग बेघर

■पीटीआई, अगरतला

त्रिपुरा में बाढ़ की स्थिति में थोड़ा सुधार आया है। रविवार को तेज बारिश नहीं हुई। अगले 24 घंटे में तेज बारिश के आसार भी नहीं हैं। एक अधिकारी ने बताया कि कटखल नदी की तेज धारा में एक व्यक्ति के बह जाने की आशंका है। उन्होंने बताया कि शनिवार को खतरे के निशान से ऊपर बहने वाली हौरा नदी, अब वॉर्निंग लिमिट के नीचे है।

अधिकारी ने बताया कि हौरा नदी की सहायक कटखल में बह जाने वाले व्यक्ति की बॉडी नहीं मिल पाई है। शुक्रवार को तेज बारिश के बाद आई बाढ़ से तीन जिलों में करीब 12 हजार लोग बेघर हो गए हैं। उनके लिए 45 रिलीफ कैंप बनाए गए हैं। अकेले सदर सब-डिविजन में 11 हजार लोगों ने कैंपों में शरण ली है।

■त्रिपुरा में बाढ़ की स्थिति में थोड़ा सुधार आया है
■रविवार को तेज बारिश नहीं हुई
सोमवार को भी तेज बारिश की संभावना नहीं है

असम और मेघालय में लगातार कई दिनों से तेज बारिश की वजह से सड़क और रेल लाइन को नुकसान पहुंचा है, जिससे त्रिपुरा का देश के बाकी हिस्से से संपर्क टूट गया है। त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा ने बांग्लादेश के रास्ते जरूरी चीजें पहुंचाने के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र में केंद्रीय खाद्य और उपभोक्ता मामलों के मंत्री पीयूष गोयल से आग्रह किया है कि बांग्लादेश के आशुगंज रिवर पोर्ट के जरिए त्रिपुरा अनाज पहुंचाया जाए।

IIT गुवाहाटी की टीम करेगी सर्वे

■पीटीआई, नई दिल्ली : आईआईटी, गुवाहाटी असम के बाढ़ प्रभावित इलाकों में अपने स्टार्टअप द्वारा विकसित ड्रोन से सर्वे करने में राज्य सरकार की मदद करेगा। अधिकारियों के मुताबिक, राज्य सरकार ने संस्थान से संपर्क कर ड्रोन की मदद से बाढ़ प्रभावित इलाकों का सर्वेक्षण करने में मदद मांगी है। आईआईटी गुवाहाटी के डीन परमेश्वर अय्यर ने कहा, हम प्रभावित इलाकों का सर्वेक्षण करने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल करेंगे। ड्रोन का उपयोग उन इलाकों में किया जाएगा जो बुरी तरह से प्रभावित हुए है। इसके जरिए सरकार की मदद होगी।